पोकाहोंटस

एक अमेरिकी राजकुमारी

जॉयस मिल्टन, चित्र: शैली हेहेनबर्गर

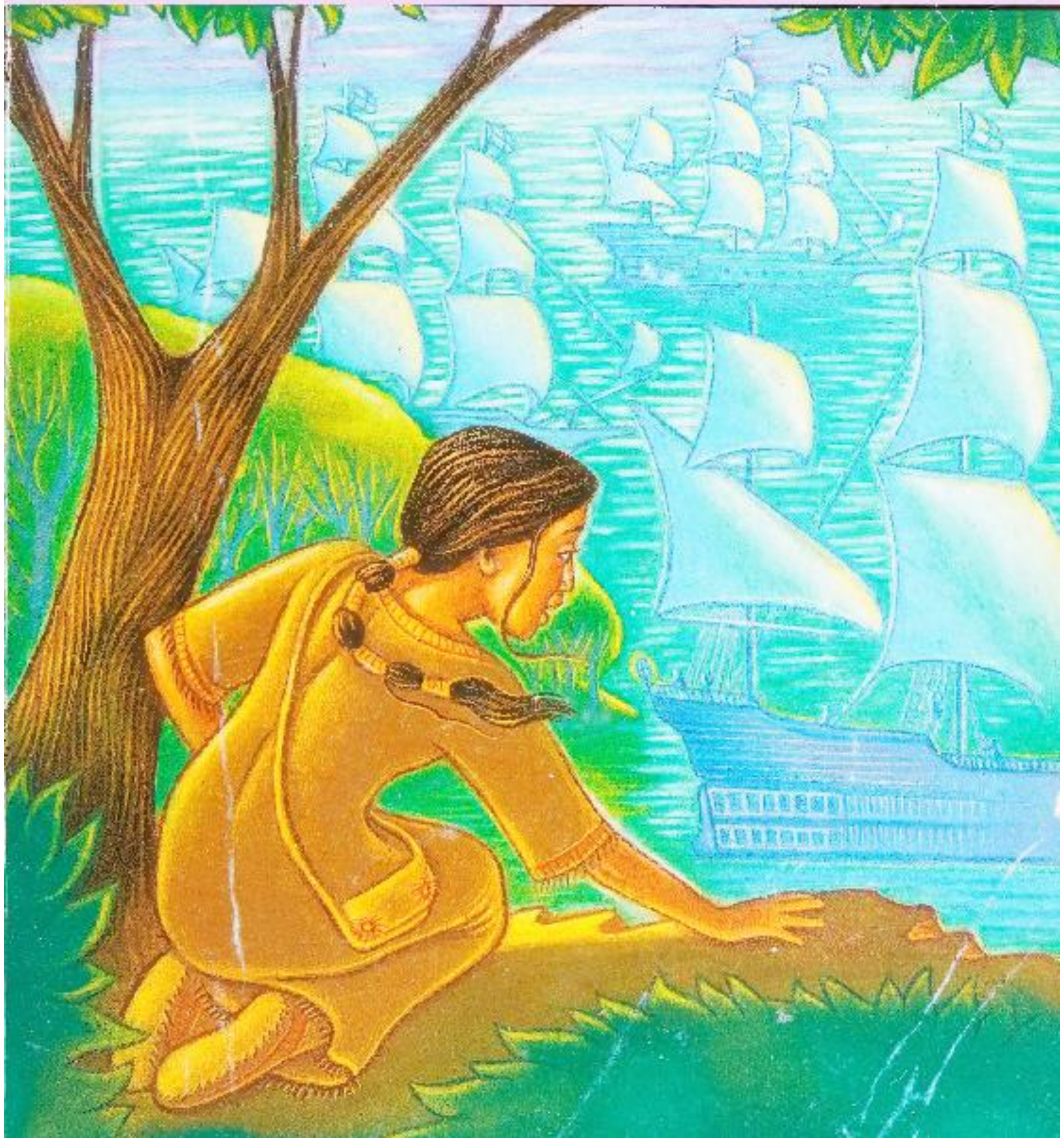

पोकाहोंटस

एक अमेरिकी राजकुमारी

जॉयस मिल्टन

चित्र: शैली हेहेनबर्गर

पोकाहोंटस, वर्जीनिया के घने जंगलों में रहती थी. उसे साफ़ नदियों में तैरना बहुत पसंद था.

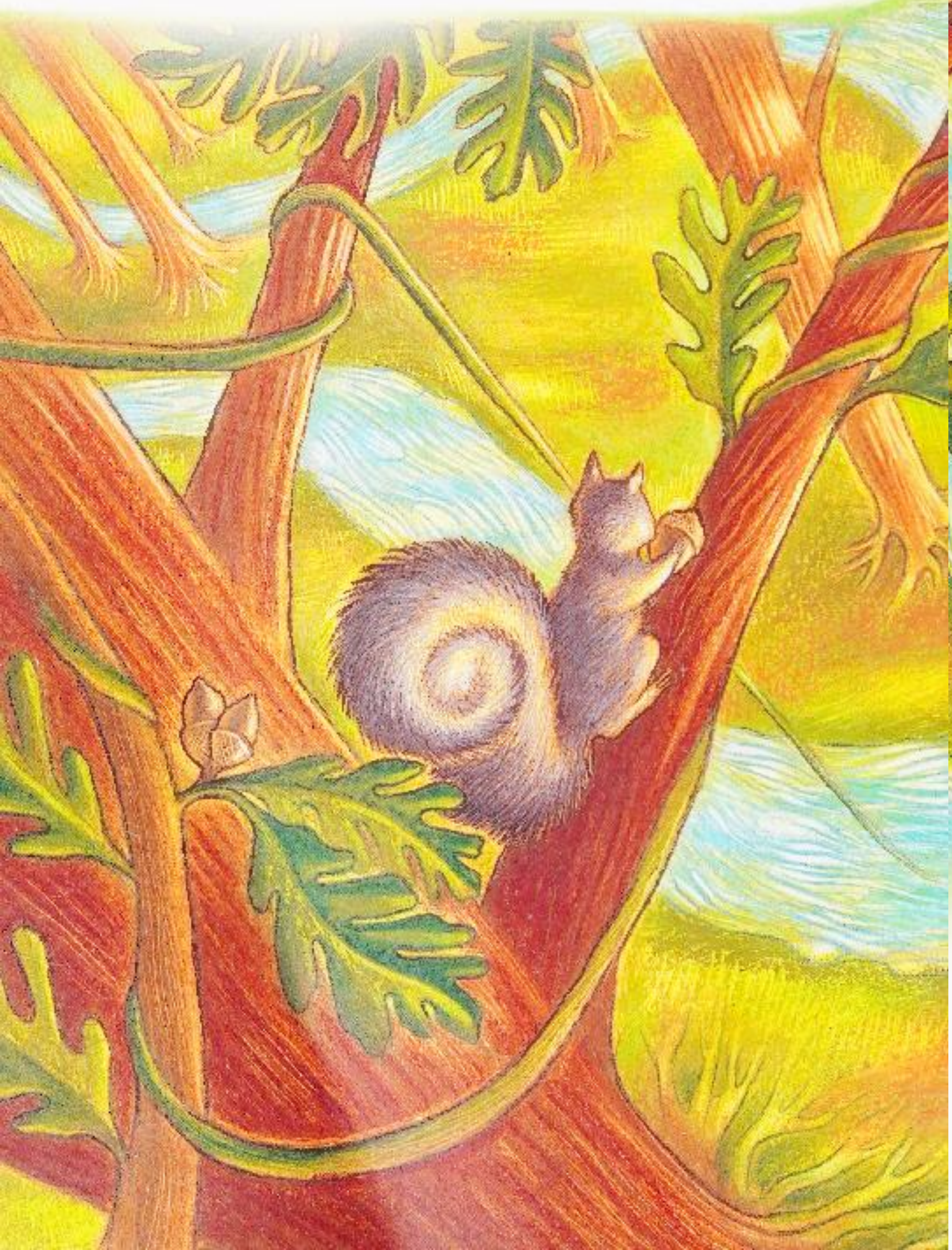

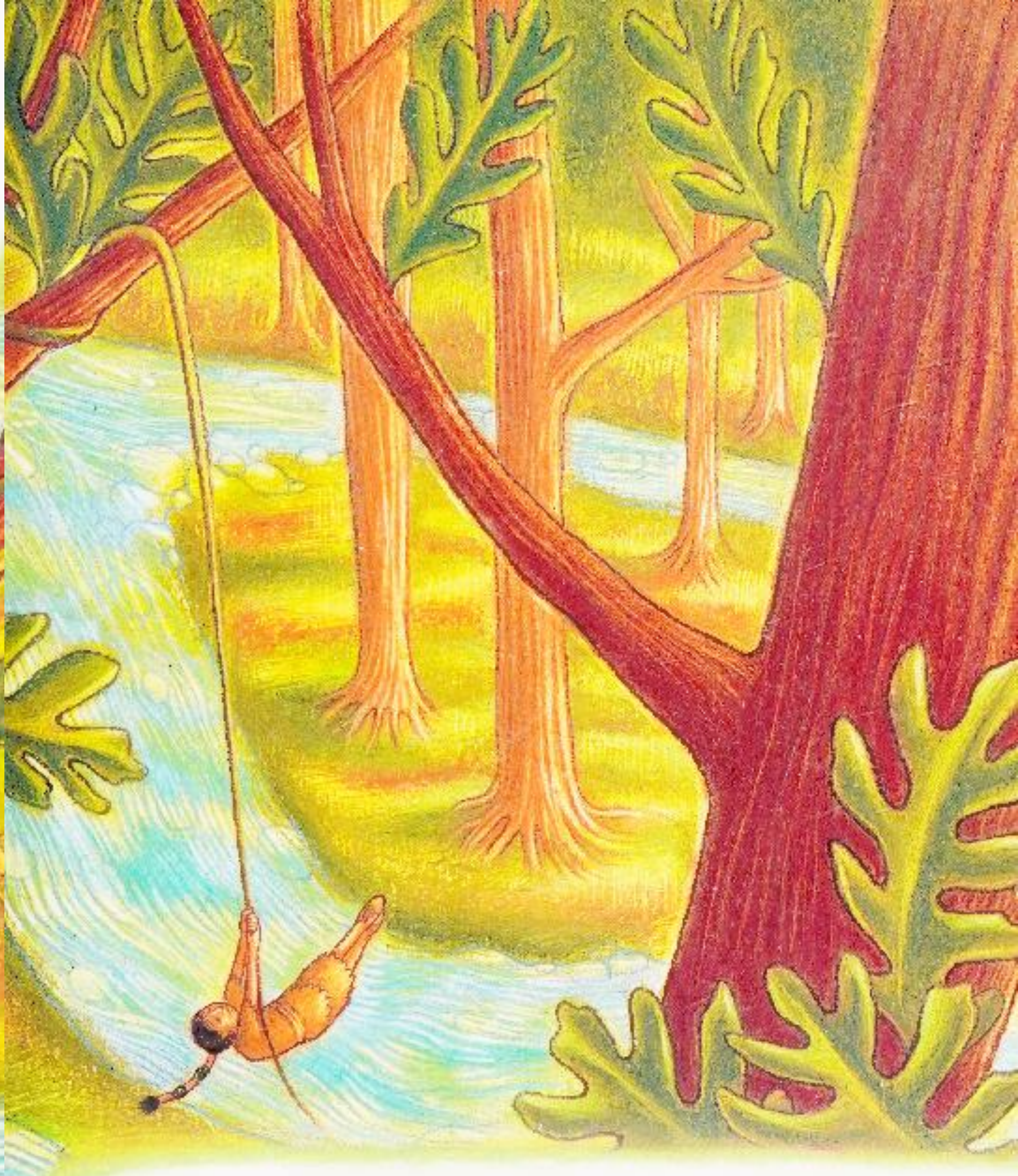

वह सबसे ऊँचे पेड़ों से लटकी अंगूर की घनी लताओं पर झूल सकती थी. अपनी जाति की भाषा में, उसके नाम का अर्थ था चंचल, या मौज-मस्ती करने वाली.

कभी-कभी पोकाहोंटस बूढ़ी महिलाओं की टोकरियाँ बुनने में मदद करती थी. उसने मोतियों और साही की कलमों से कपड़े सजाना सीखा. लेकिन पोकाहोंटस को ज़्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ती थी क्योंकि उसके पिता, पोहाटन, एक महान सरदार थे.

सरदार पोहाटन, वेरोमोरोमोको नामक एक गाँव में रहते थे. उनकी एक दर्जन पत्नियाँ थीं. उनके 30 बच्चे थे. लेकिन राजकुमारी पोकाहोंटस उनको सबसे प्रिय थी.

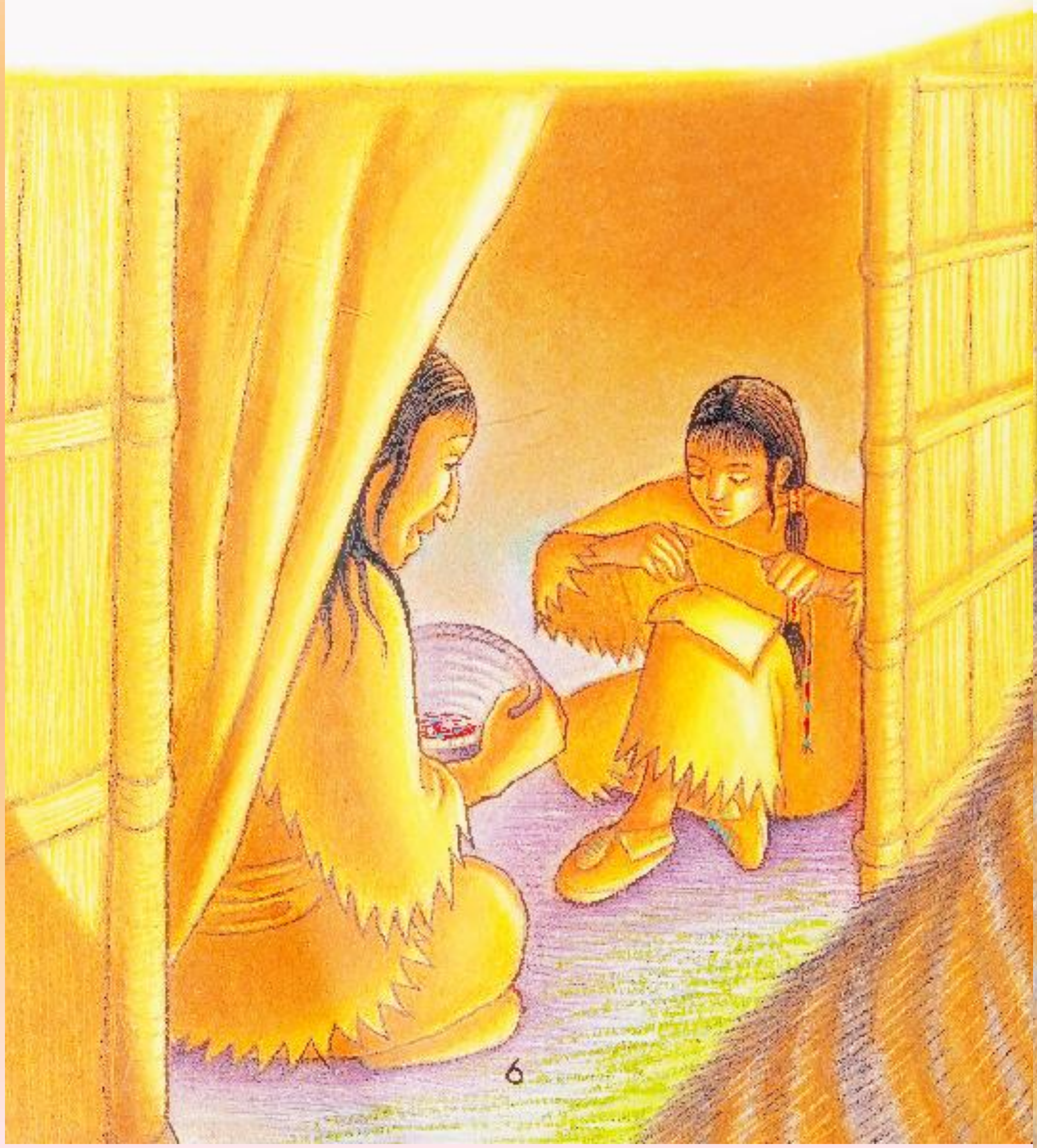

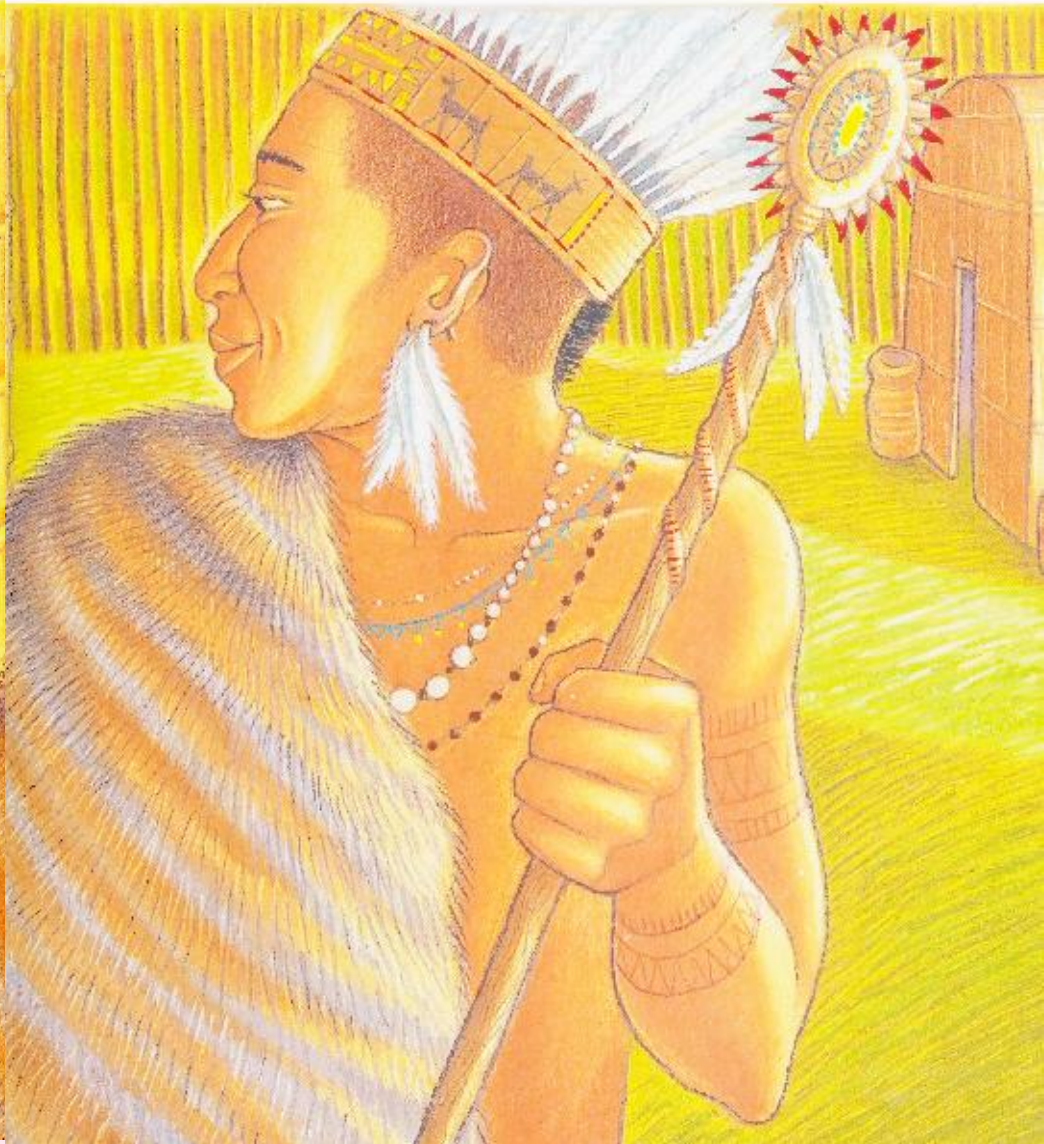

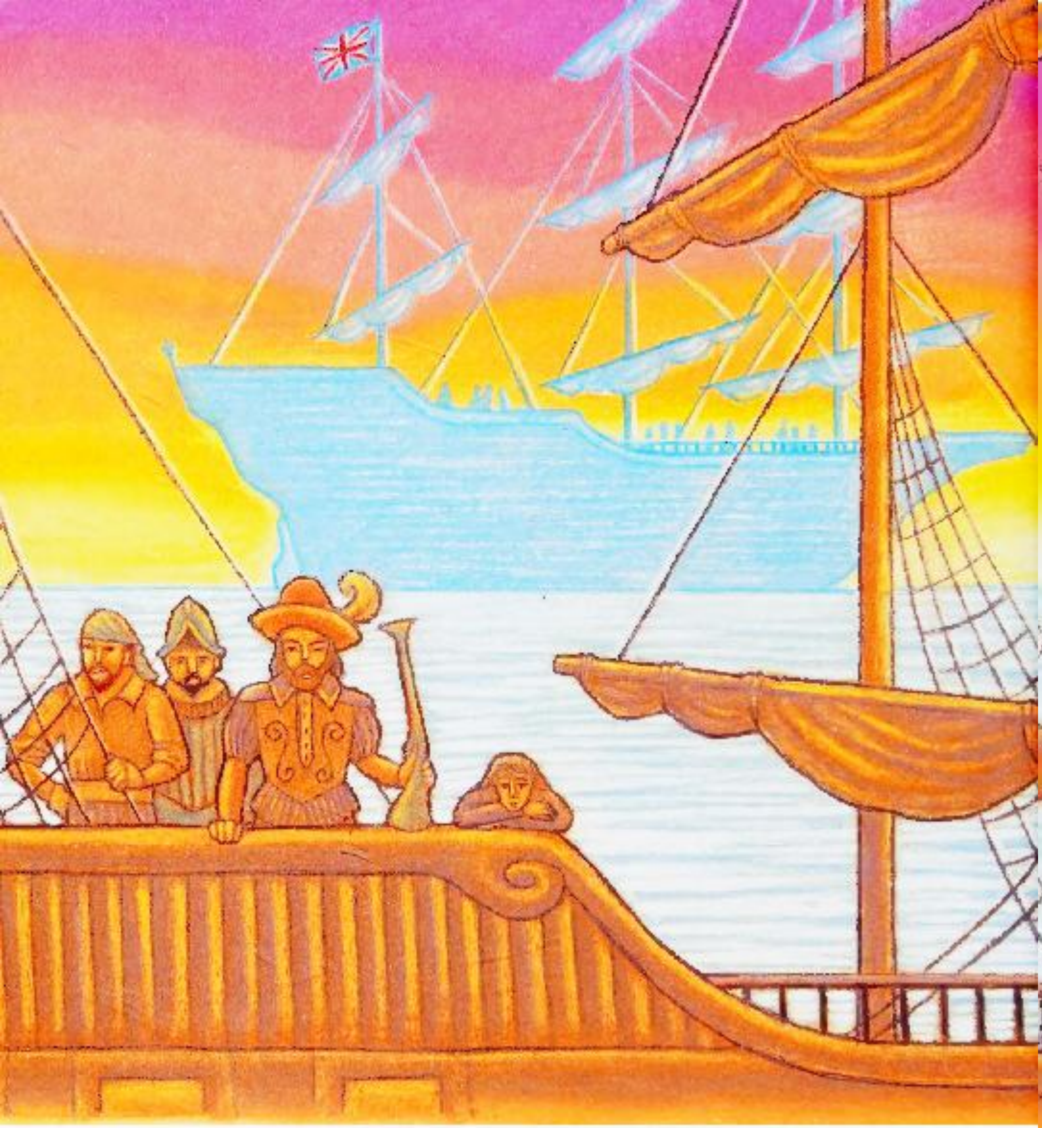

एक दिन एक दूत बड़ी खबर लेकर आया. समुद्र के उस पार से तीन विशाल जहाज़ आए थे. ये जहाज़ इतने बड़े थे कि स्थानीय लोग उन्हें "तैरते द्वीप" कहते थे.

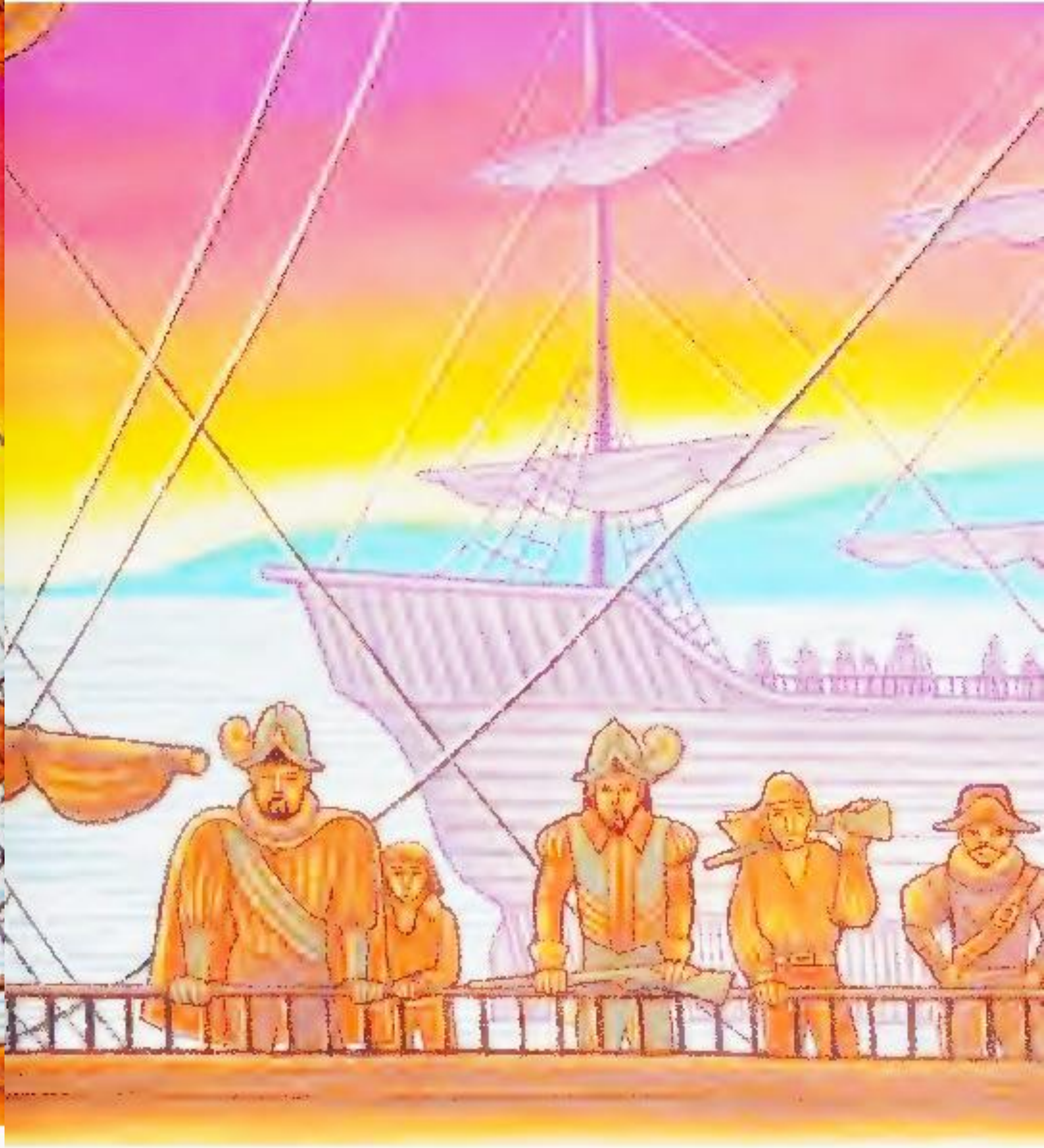

जहाज़ों पर 100 से ज़्यादा यात्री सवार थे. सभी पुरुष और लड़के थे. उनके पास लंबी-लंबी लाठियाँ थीं जिनसे आग निकलती थीं. उन्होंने मोटे कवच पहने थे जो उन्हें बाणों से बचाते थे.

प्रमुख पोहातन उत्सुक थे. ये अजनबी कौन थे? और वे उसके राज्य में क्या कर रहे थे?

ये अजनबी इंग्लैंड से आए थे. वे 1606 की सर्दियों में रवाना हुए थे. समुद्र पार करने में उन्हें लगभग पाँच महीने लगे.

कुछ युवा ऐसे थे जिनके परिवार बहुत गरीब थे. उनके परिवार उनसे छुटकारा पाकर खुश थे. कुछ जल्दी अमीर बनने की उम्मीद कर रहे थे. उन्हें लगा कि उन्हें इस अनजान देश में सोना मिलेगा.

शुरू में तो सब ठीक चला. अंग्रेजों ने जेम्सटाउन नामक एक ऊंची दीवार वाला किला बनाया. बाहर से आकर बसने वाले "सेटलर" स्थानीय लोगों को “इंडियन” कहते थे. वे सुंदर काँच के मोतियों, सुइयों और धातु की पिनों के बदले में अपनी मक्का और सीपों की टोकरियाँ बेचने में खुश थे.

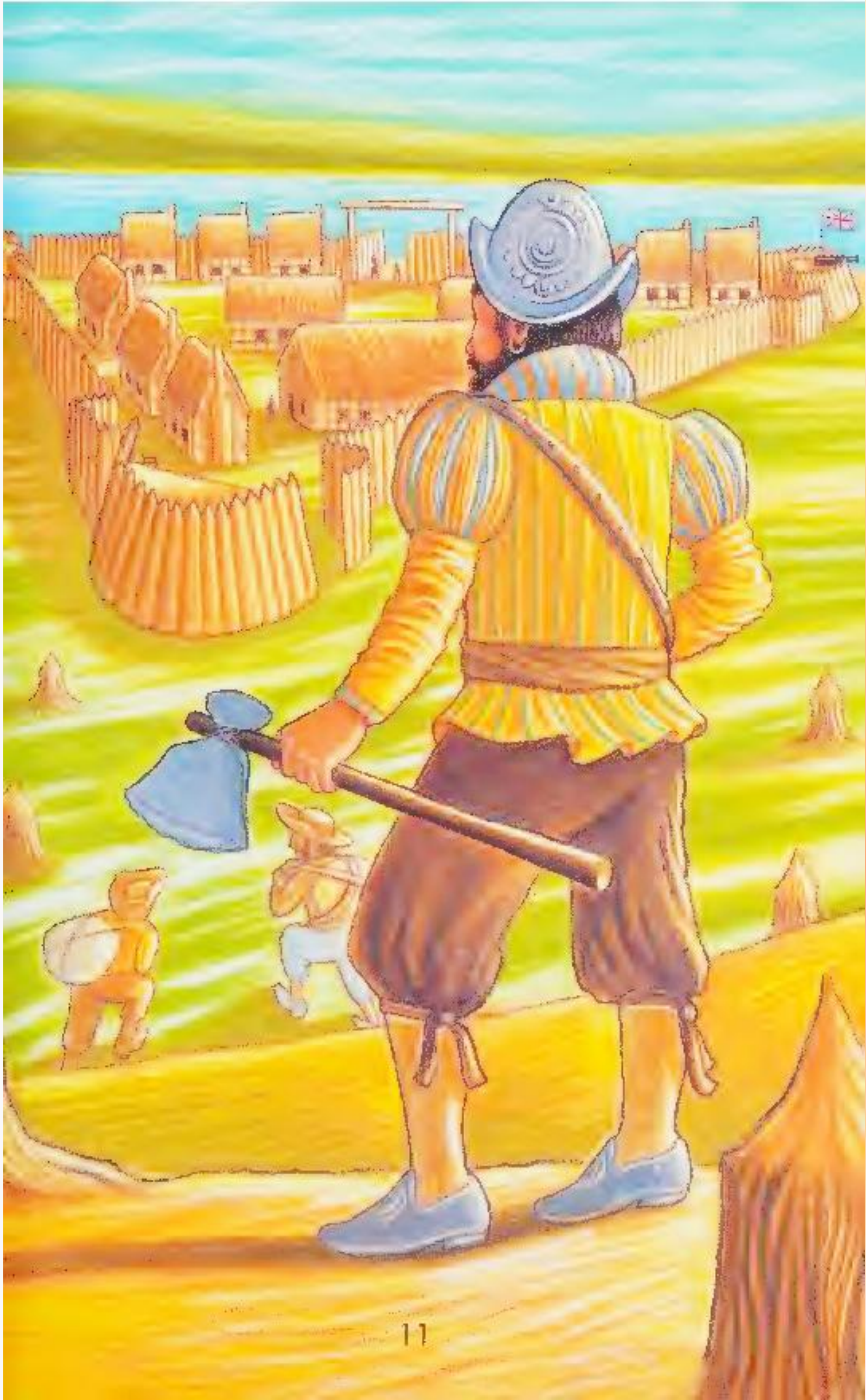

लेकिन जल्द ही, मुसीबत आ गई. अजनबी और मूल निवासी एक ही भाषा नहीं बोलते थे और न ही एक-दूसरे के तौर-तरीके समझते थे. कुछ मूल निवासी, बसने वाले अंग्रेजों के चाकू और प्याले लेकर चले गए. उन्हें पता नहीं था कि वो चोरी कर रहे थे. बसने वाले "सेटलर्स" ने पास के एक द्वीप पर कब्ज़ा कर लिया जो मूल निवासियों का था. बसने वालों को नहीं पता था कि वो द्वीप इंडियंस के लिए बहुत खास था.

जब सर्दी आई, तो बसने वालों के पास पर्याप्त भोजन नहीं बचा. मूल निवासी योद्धा जेम्सटाउन की दीवारों के बाहर छिप गए. वे किले से बाहर निकलने वाले किसी भी व्यक्ति पर तीर चलाने को तैयार थे. कुछ ही महीनों में, आधे अंग्रेज़ भूख, बुखार या बीमारियों से मर गए.

बसने वालों में से एक इतना बहादुर था कि वो भोजन की तलाश में निकल पड़ा. वह कैप्टन जॉन स्मिथ था, एक खोजकर्ता जिसने कई अजीब देशों की यात्रा की थी.

स्मिथ और दो अन्य बसने वालों को एक डोंगी वाला भारतीय गाइड मिला. वे पोहाटन के राज्य में गहराई तक यात्रा करने को तैयार थे. वे एक ऐसी जनजाति खोजना चाहते थे जिसके पास व्यापार के लिए अनाज हो.

वे ज़्यादा दूर नहीं गए. पोकाहोंटस के एक भाई के नेतृत्व में एक दल अजनबियों पर टूट पड़ा. दो अंग्रेज़ मौके पर ही मारे गए.

स्थानीय लोग स्मिथ के पहनावे और दबंग व्यवहार से पहचान गए कि वो एक महत्वपूर्ण व्यक्ति, एक सरदार था. उन्होंने उसे बंदी बनाने का फैसला किया.

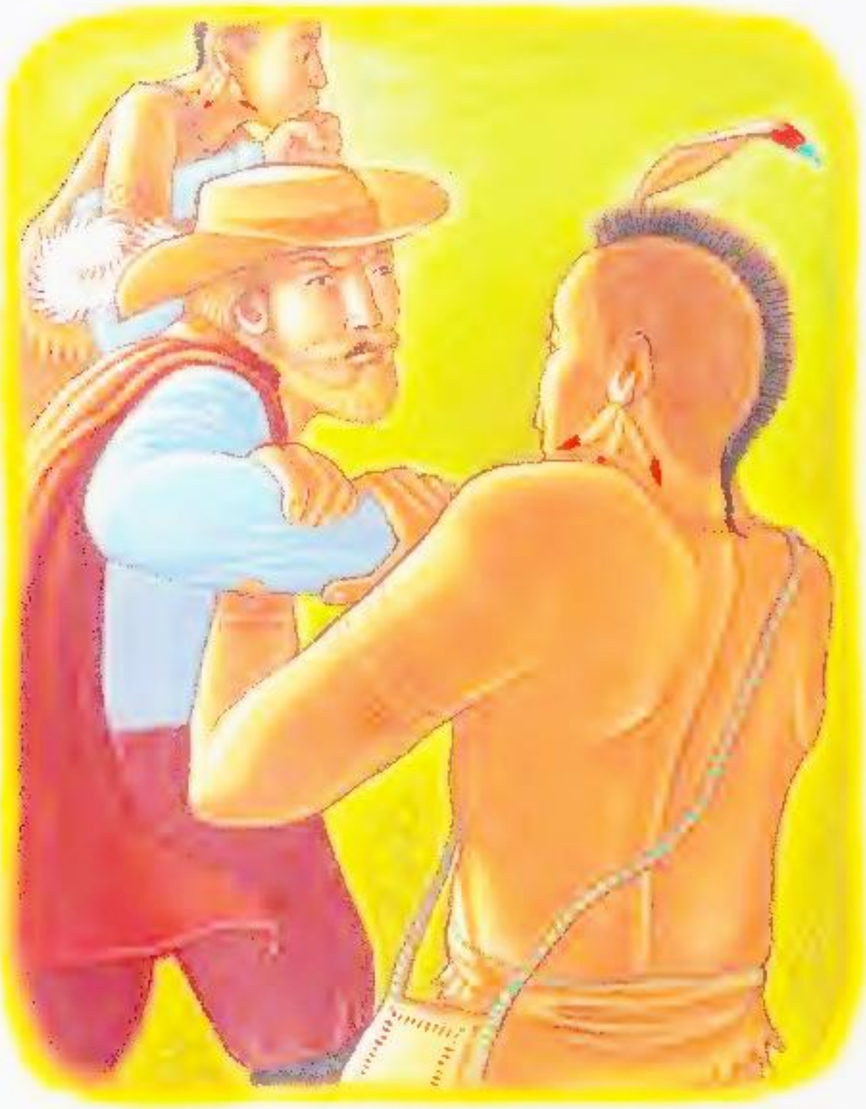

जॉन स्मिथ को वेरोमोकोमोको में बंदी बनाकर रखा गया था. कुछ दिनों बाद, उसे उसके लंबे घर में पोहाटन के सामने लाया गया. महान सरदार एक नीची जगह पर बैठे. उन्होंने रैकून की खाल का एक लबादा पहना हुआ था. उनके गले में मोतियों की लंबी लड़ियाँ थीं. उनके दरबार के पुरुष और महिलाएँ उनके चारों ओर बैठे थे.

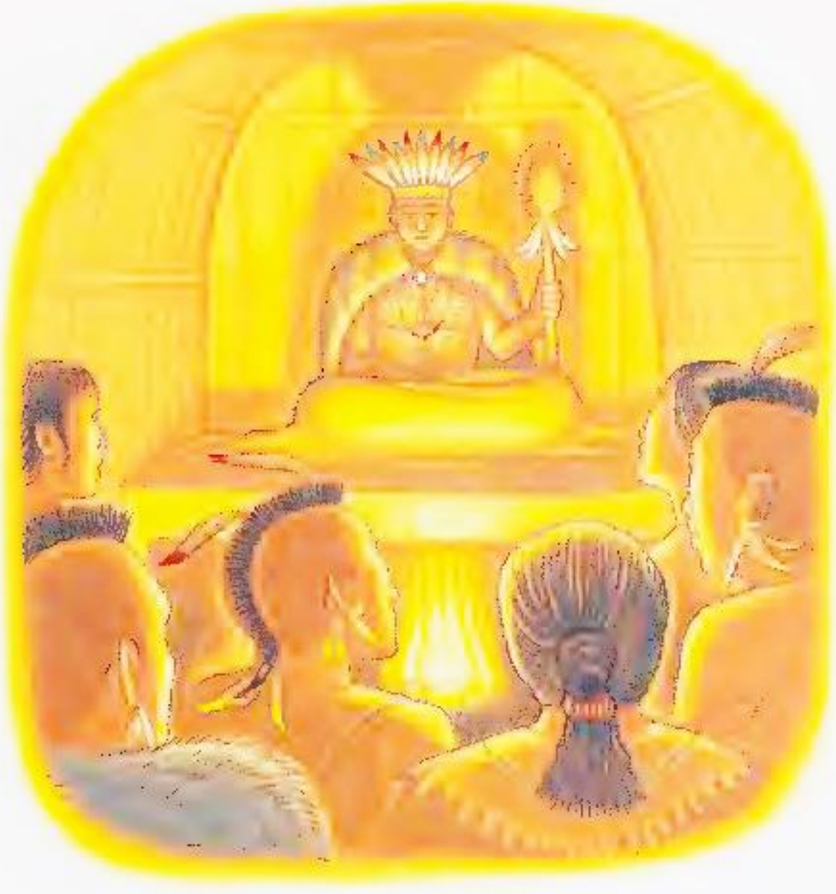

कमरे के बीच में दो बड़े पत्थर थे. कुछ इंडियंस ने कैप्टन स्मिथ को पकड़कर उन पत्थरों पर लिटा दिया. कुछ अन्य इंडियंस उसे लाठियों से पीट-पीटकर मार डालने के लिए तैयार खड़े थे.

अचानक, एक चीख सुनाई दी. पोकाहोंटस भीड़ में से भागी. उसने खुद को स्मिथ के ऊपर फेंक दिया.

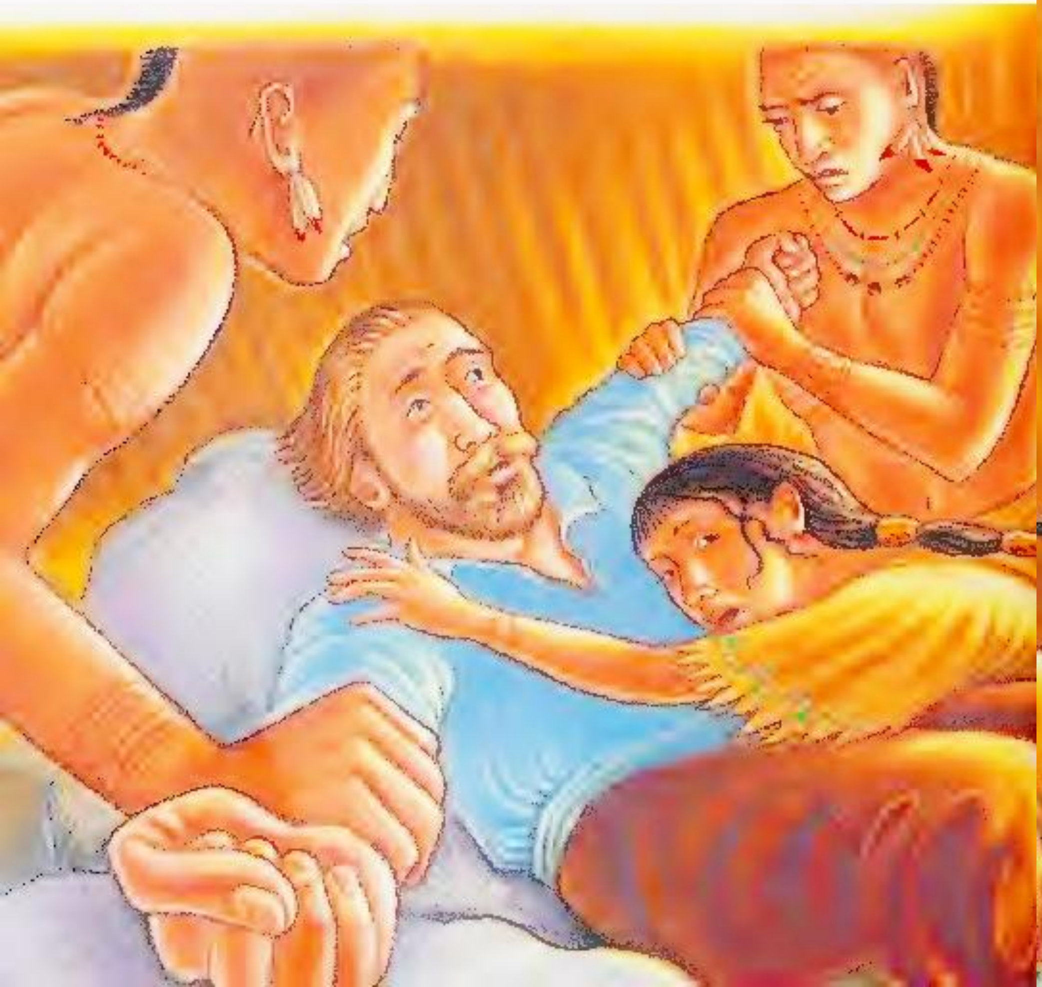

इंडियंस ने अपने डंडे नीचे रख दिए. उन्हें ऐसा करना ही पड़ा. इस तरह पोकाहोंटस ने स्मिथ की जान बचाई.

महिलाओं को किसी कैदी को गोद लेकर उसकी जान बचाने का अधिकार था. पोकाहोंटस ने जॉन स्मिथ को अपना मानद रिश्तेदार बनाया.

पोकाहोंटस ने कैप्टन स्मिथ को बचाने का फैसला क्यों किया? एक किंवदंती के अनुसार वह उससे प्यार करने लगी थी. लेकिन शायद नहीं. पोकाहोंटस सिर्फ़ 11 या 12 साल की थी. उसके पिता ने ही शायद उसे ऐसा करने के लिए कहा था. एक प्रतिद्वंद्वी सरदार को मारने का मतलब था एक व्यापक युद्ध. और अंग्रेजों के पास बंदूकें थीं. जबकि पोहाटन के योद्धाओं के पास बस धनुष-बाण थे.

पोहाटन ने जॉन स्मिथ को जेम्सटाउन लौटने दिया. पोकाहोंटस को भी अंग्रेजों के किले में भेजा गया. उसके दोस्त मकई और हिरण के मांस के उपहार लेकर गए.

पोकाहोंटस ने जेम्सटाउन की कई यात्राएँ कीं. किले में उसकी उम्र के कुछ लड़के थे. पोकाहोंटस ने उन्हें पैदल दौड़ के लिए चुनौती दी. उन्होंने उसे कलाबाज़ी करना सिखाया.

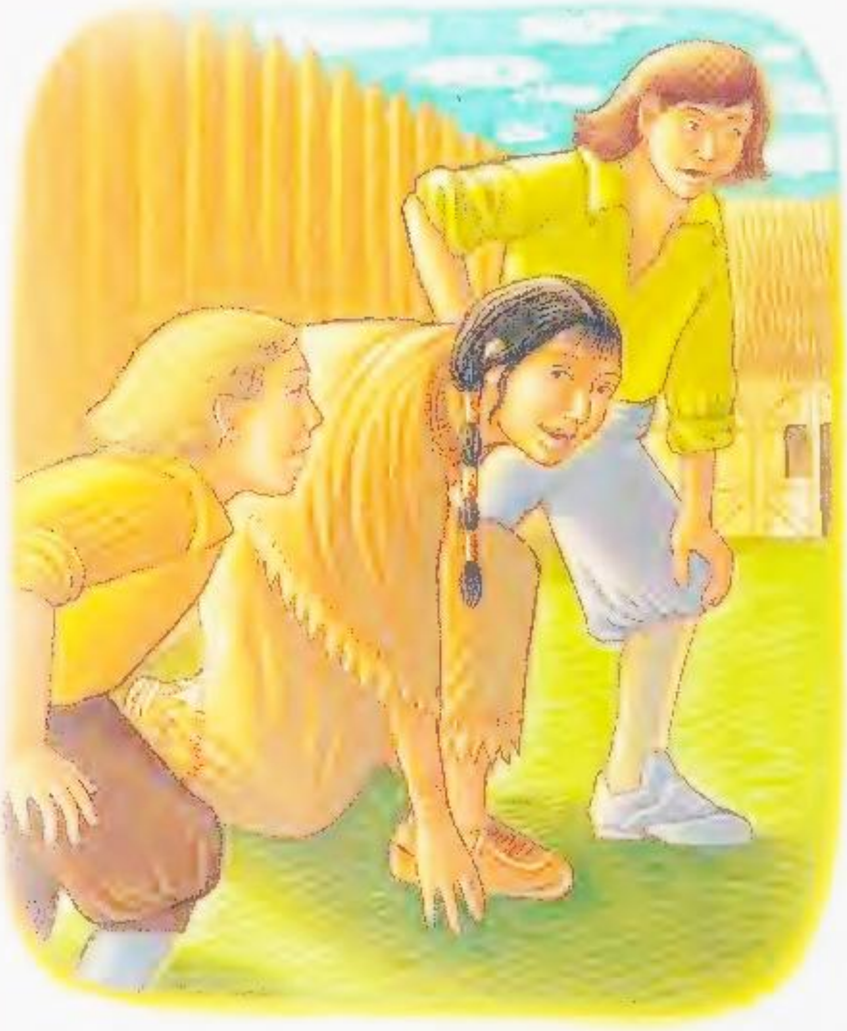

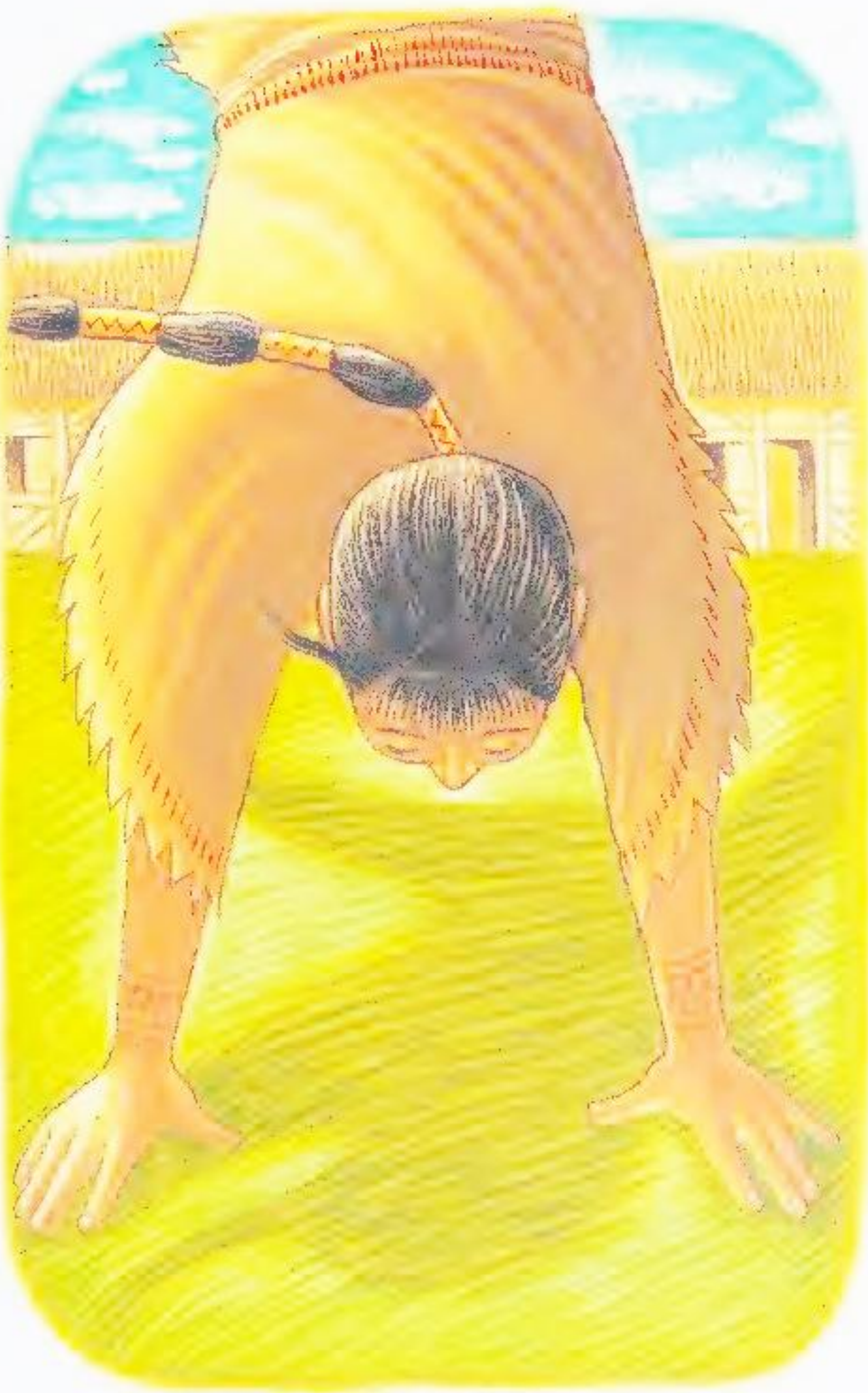

पोकाहोंटस ने कैप्टन स्मिथ को अपनी भाषा बोलना सिखाया. स्मिथ ने उसे अंग्रेज़ी के कई शब्द सिखाए.

महान सरदार की बेटी जवान हो रही थी. वह अब बचकाने खेल नहीं खेलती थी. उसके बालों में सफ़ेद पंख थे. ये किसी राजकुमारी की निशानी थे.

जब पोकाहोंटस ने कैप्टन स्मिथ को देखा, तो उसकी गहरी आँखें चमक उठीं. क्या उसे उस बहादुर खोजी से प्यार हो गया था? शायद हां. लेकिन कोई पक्की तौर पर यह नहीं जानता. लेकिन कैप्टन स्मिथ ने उसपर ध्यान ही नहीं दिया. वो बसने वालों अंग्रेज़ों को ज़िंदा रखने की कोशिश में बहुत व्यस्त थे.

एक दिन एक जहाज़ आया. जहाज़ का कप्तान इंग्लैंड के राजा की ओर से पोहाटन के लिए उपहार लाया था. एक ऊनी सूट, एक पीतल का मुकुट और एक बड़ा सा पलंग था.

स्मिथ उपहारों के चुनाव से बहुत नाखुश था. वह जानता था कि मुकुट अच्छा उपहार नहीं था. पोहाटन को वो पसंद नहीं आएगा. और उस पलंग को नदी में ऊपर तक ले जाना बहुत मेहनत का काम था.

जब अंग्रेज़ आखिरकार पोहाटन के गाँव पहुँचे, तो उन्होंने जंगल से आती चीखें सुनीं. वे डर गए.

लेकिन पोकाहोंटस, कैप्टन स्मिथ की ओर आई. वह हँस रही थी.

"डरो मत," पोकाहोंटस ने उससे कहा.

तभी लड़कियों का एक समूह मैदान में दौड़ता हुआ आया. उन्होंने अपने सिर पर सींग और पत्तों से बने कपड़े पहने हुए थे. उन्होंने स्वागत में एक जंगली नृत्य किया. यह आगंतुकों के सम्मान में था.

लेकिन बाकी का दौरा अच्छा नहीं रहा. पोहाटन समझ गया कि इंग्लैंड के राजा ने उनके लिए मुकुट क्यों भेजा था. इंग्लैंड के राजा ने सोचा कि वो उपहार पोहाटन को उसके प्रति वफ़ादार बना देगा.

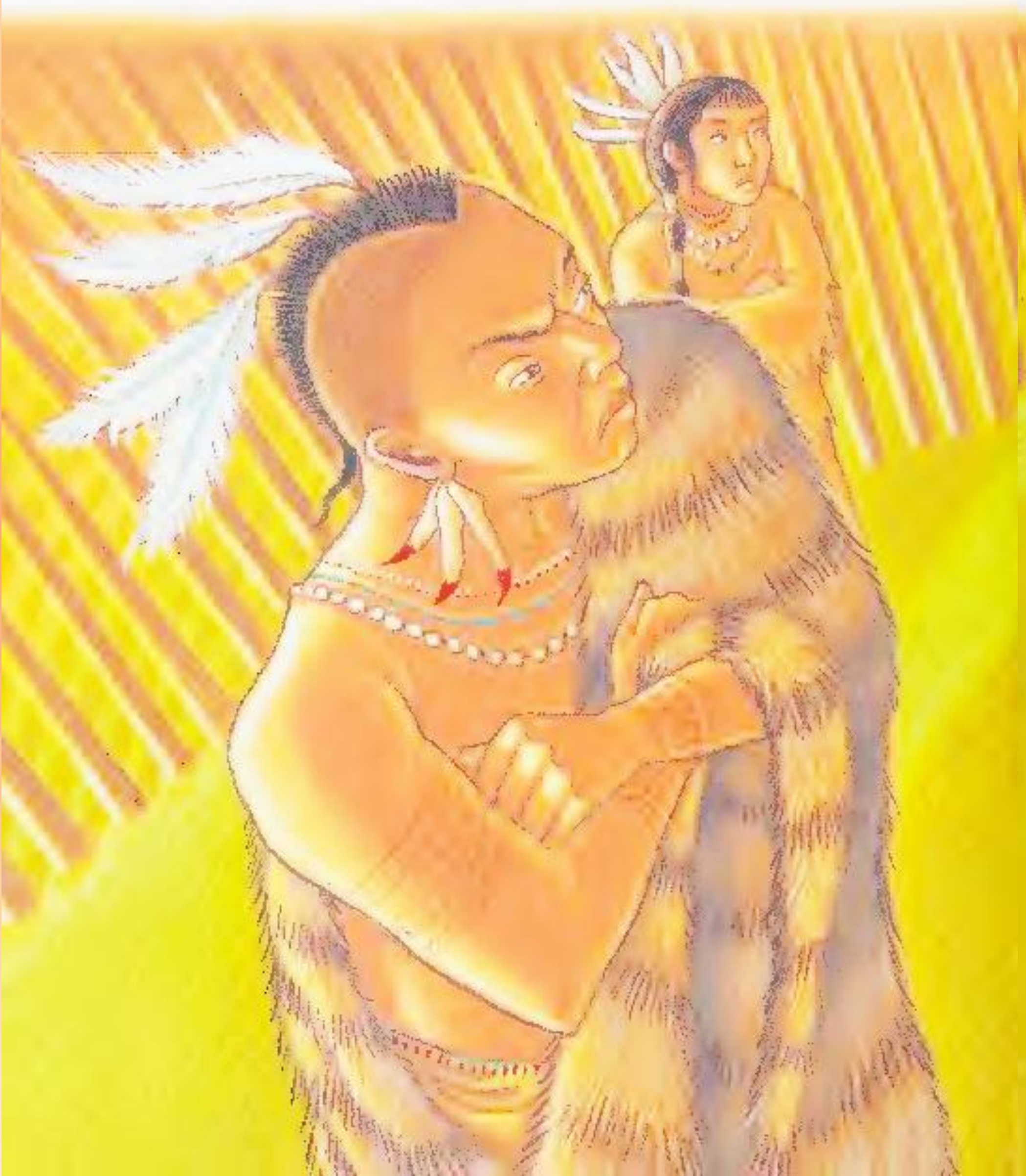

पोहाटन ने पीतल का मुकुट अपने सिर पर रखने के लिए घुटने टेकने से इनकार कर दिया.

महान पोहाटन किसी के सामने घुटने नहीं टेकते थे!

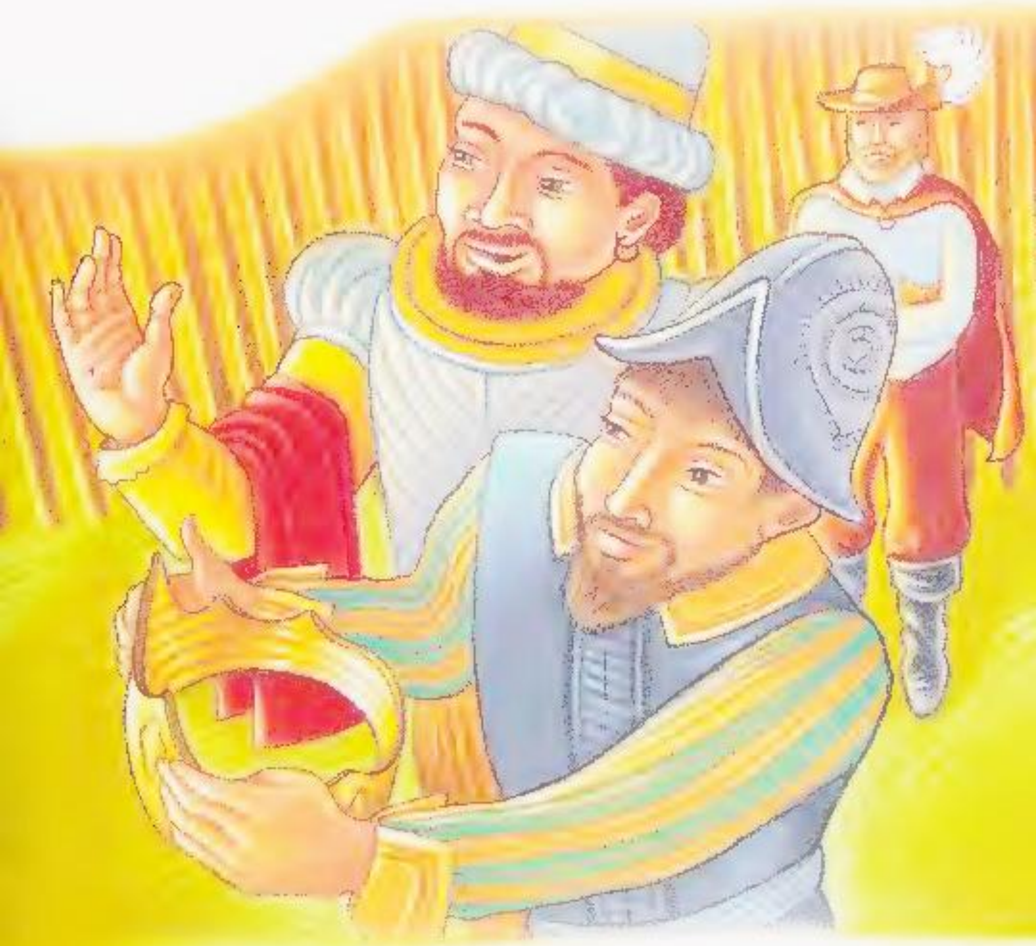

पोहाटन अब समझ गए कि अंग्रेज़ उसके राज्य को अब कभी नहीं छोड़ेंगे. उसे ही उन्हें छोड़ने के लिए कुछ करना होगा.

अगली बार जब स्मिथ वेरोमोकोमोको गए, तो वे मकई का मोलभाव करने गए. जब वे ऐसा कर रहे थे, पोहाटन और उनका परिवार चुपचाप अपने लंबे घर से निकलकर जंगल में गहरे चले गए.

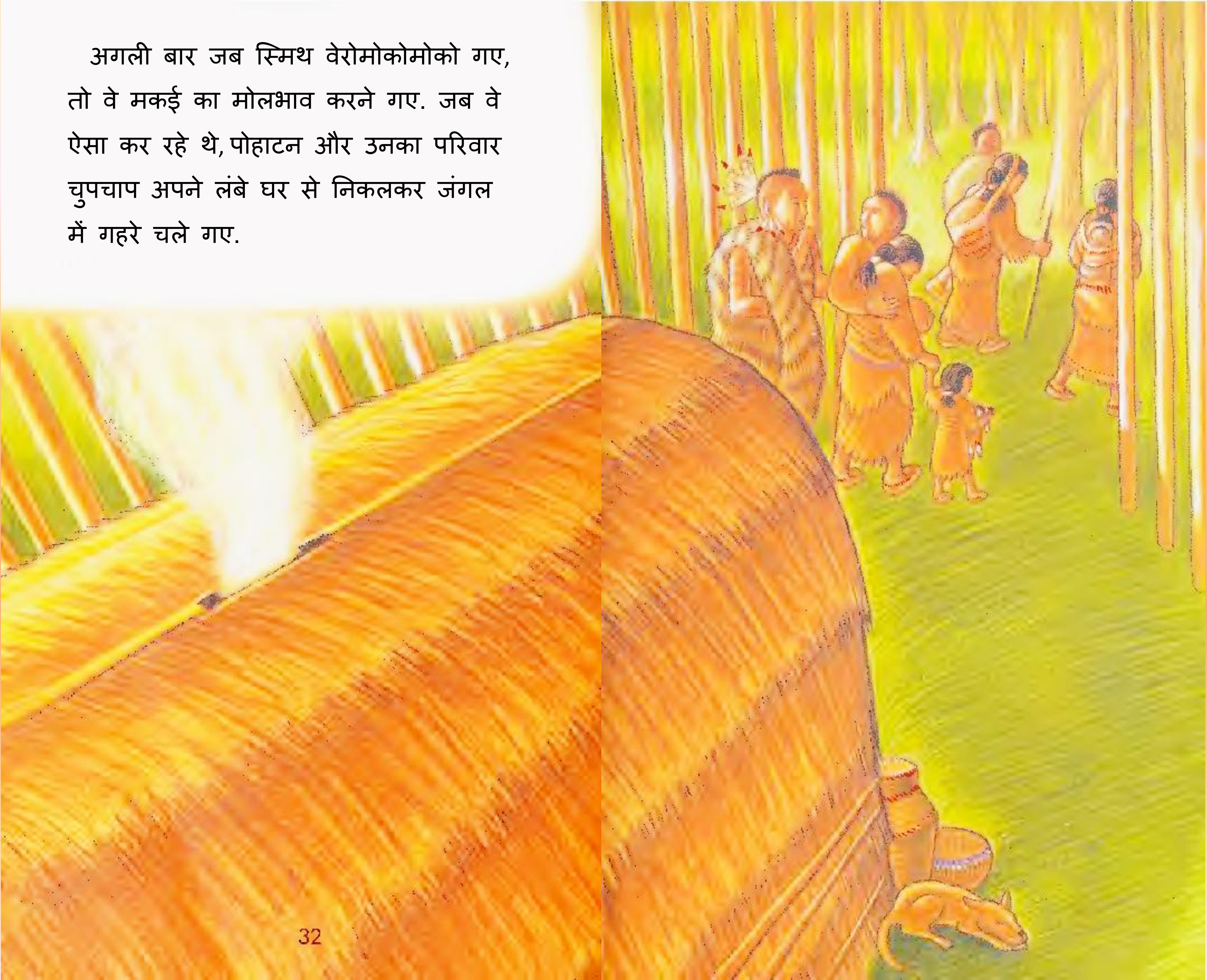

उस रात, पोकाहोंटस उस गाँव में वापस आ गई जहाँ स्मिथ और उसके आदमी डेरा डाले हुए थे. वह रो रही थी. उसने बताया कि उसके पिता के योद्धा घात लगाने की तैयारी कर रहे थे, पोहाटन अपने परिवार को जंगल में ले गए थे ताकि वे युद्ध के दौरान सुरक्षित रहें.

आधी रात को, स्मिथ और उसके आदमी चुपके से अपनी नाव में वापस आ गए और तेज़ ज्वार के बीच जेम्सटाउन पहुँच गए.

पोकाहोंटस ने स्मिथ की दूसरी बार जान बचाई थी!

लेकिन जेम्सटाउन में जॉन स्मिथ के दिन खत्म होने वाले थे. कई बसने वाले इतनी मेहनत करवाने के लिए उनसे नाराज़ थे. उन्होंने उन पर पोकाहोंटस से शादी करके खुद को वर्जीनिया का राजा बनाने का आरोप भी लगाया.

लगभग उसी समय, स्मिथ आग में बुरी तरह से जल गया. वह घायल और थका हुआ था. जल्द ही, वह इंग्लैंड वापिस चला गया.

कैप्टन स्मिथ कठोर लेकिन न्यायप्रिय थे. उनके जाने के बाद, मुसीबतें और बढ़ गईं.

उस सर्दी को "भूखमरी का समय" कहा जाने लगा. कई बसने वाले अंग्रेज़ मर गए.

पोकाहोंटस ने एक अफवाह सुनी कि जॉन स्मिथ मर गया था. वह बहुत दुखी हुई.

जेम्सटाउन को बचाने के लिए इंग्लैंड से जहाज समय पर पहुँच गए. फिर भी, बसने वाले और स्थानीय लोग लड़ते रहे.

पोहाटन और उसके योद्धाओं ने कुछ बसने वालों को बंदी बना लिया. उन्होंने अंग्रेजी बंदूकें भी ज़ब्त कर लीं.

तीन साल बीत गए. एक दिन अर्गल नाम का एक अंग्रेज कप्तान तट की यात्रा पर था, तभी उसने सुना कि पोकाहोंटस पास ही है. कप्तान अर्गल ने एक मित्र सरदार से राजकुमारी को जहाज पर चढ़ाने को कहा. जैसे ही वह जहाज पर चढ़ी, पोकाहोंटस, अर्गल की बंदी बन गई.

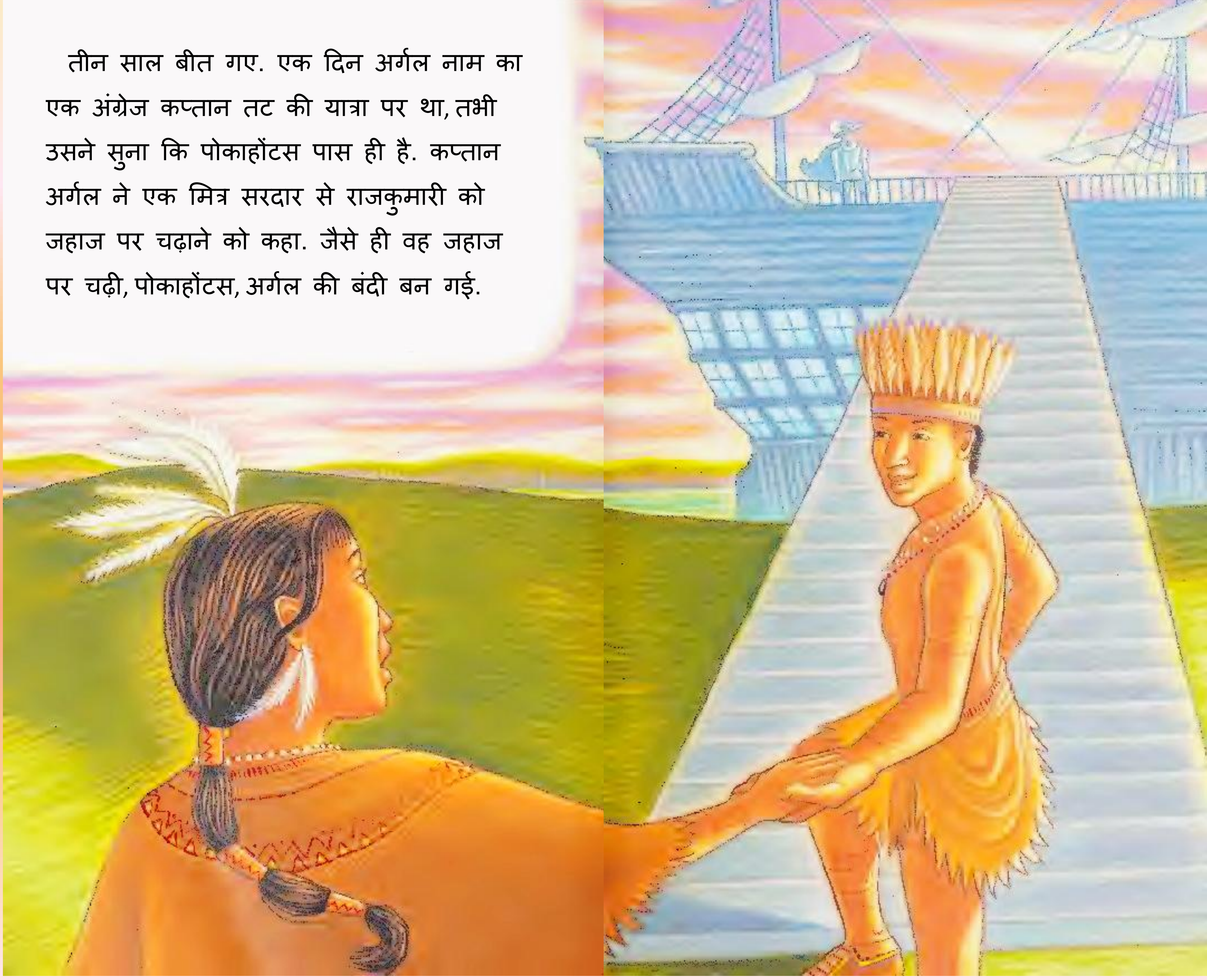

पोकाहोंटस को जेम्सटाउन के पास एक खेत में रखा गया. बसने वालों ने पोहाटन को एक संदेश भेजा. उसे अंग्रेज़ कैदियों और छीनी गई बंदूकें वापस करनी होंगी. तभी वह अपनी बेटी को वापस पा सकेगा.

महान सरदार ने मना कर दिया.

जब पोकाहोंटस ने अपने पिता का जवाब सुना, तो उसका दिल टूट गया. उसने अपने पंखों वाले वस्त्र उतार दिए और अंग्रेज़ी कपड़े पहन लिए. वह बाइबल का अध्ययन करने और अंग्रेज़ी प्रार्थनाएँ सीखने लगी. उसने एक नया नाम भी रखा, रेबेका.

एक साल बाद, 1614 में, उसने जॉन रॉल्फ नाम के एक बसने वाले अंग्रेज़ से शादी की. उनका एक बेटा हुआ. उसका नाम थॉमस रखा गया.

एक बार जब उसका एक अंग्रेज़ दामाद हो गया, तो पोहाटन ज़्यादा मिलनसार हो गया. उसने अंग्रेजों से युद्ध करना बंद कर दिया. बसने वालों ने "पोकाहोंटस की शांति" की बात की.

जॉन रॉल्फ ने अपनी पत्नी और बच्चे को इंग्लैंड ले जाने का फैसला किया. पोहाटन ने पोकाहोंटस के साथ यात्रा करने के लिए एक दर्जन इंडियंस को भी साथ भेजा.

पूरा लंदन पोकाहोंटस और वर्जीनिया के इंडियंस को देखने के लिए पागल हो गया. राजकुमारी पोकाहोंटस को महल में आमंत्रित किया गया. वह इंग्लैंड की रानी की बहुत अच्छी दोस्त बन गई.

राजा ने पोकाहोंटस को क्रिसमस की पार्टी में लाने के लिए एक घोड़ागाड़ी भेजी.

एक दिन, एक पुराने दोस्त ने पोकाहोंटस से मुलाकात की. वह कैप्टन जॉन स्मिथ थे!

उसने पोकाहोंटस से मिलने के लिए इतना इंतज़ार क्यों किया? स्मिथ यह नहीं भूले थे कि वर्जीनिया के लोगों ने उन पर पोकाहोंटस से शादी करने का आरोप लगाया था. पोकाहोंटस का पति इस बारे में क्या सोचेगा?

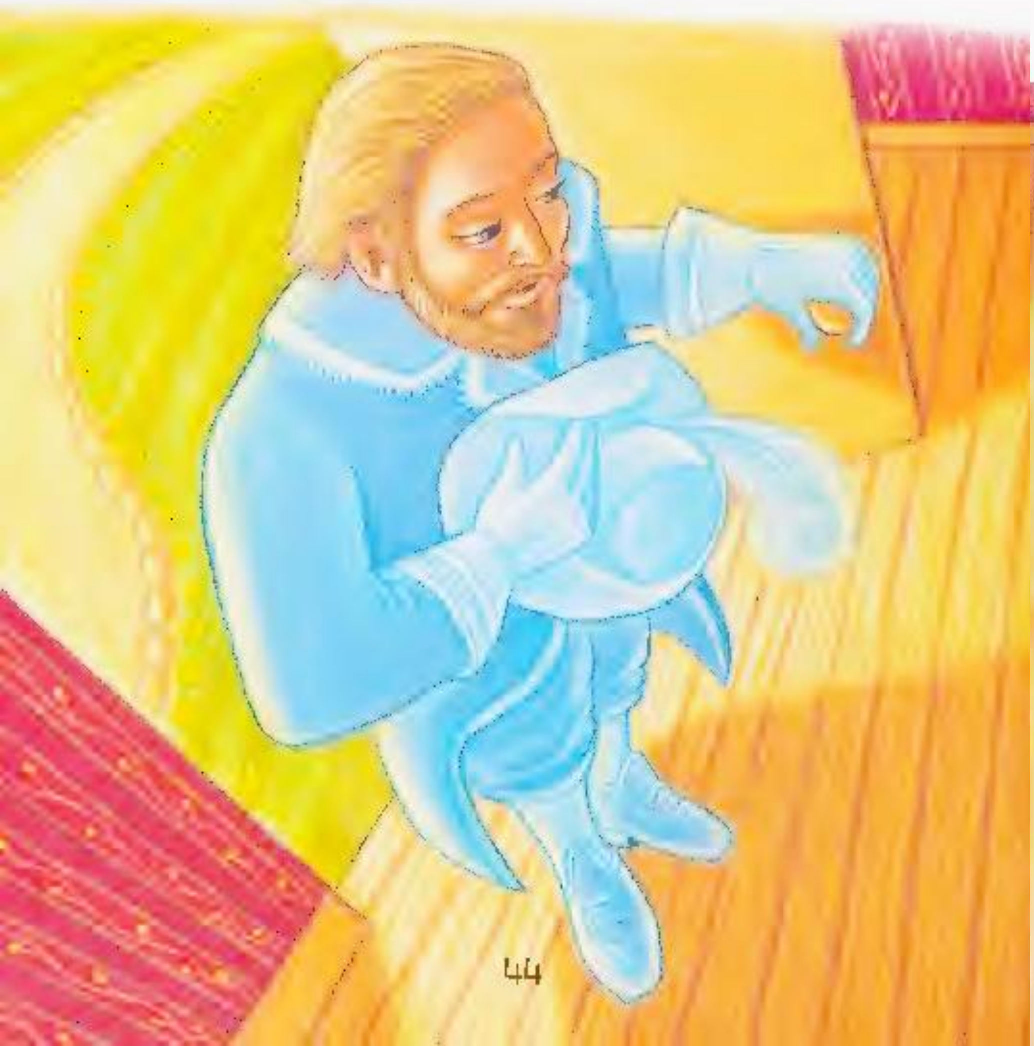

जब पोकाहोंटस ने जॉन स्मिथ को देखा, तो उसने मुँह फेर लिया और कमरे से बाहर चली गई. दो घंटे बीत जाने के बाद ही वह बात करने लायक शांत हुई. फिर वह चिल्लाई कि उसके पति और उसके दोस्तों ने उससे झूठ बोला था. "उन्होंने मुझे हमेशा यही बताया था कि तुम मर चुके हो!" उसने स्मिथ से कहा, "मैं हमेशा-हमेशा के लिए तुम्हारी देशवासी बनी रहूँगी."

उसके कबीले के बाकी लोग वर्जीनिया वापस जाने के लिए बेताब थे. लेकिन पोकाहोंटस नहीं. वह इंग्लैंड में, जॉन स्मिथ के देश में रहना चाहती थी.

जैसे-जैसे घर लौटने का समय नज़दीक आ रहा था, पोकाहोंटस बीमार पड़ गई. वह दिन-रात खाँसती रही. फिर भी, उसे अपने पति के साथ ही वर्जिनिया वापिस लौटना था. जब बसंत आया, तो वह उस जहाज़ पर सवार हुई जो उन्हें नई दुनिया में वापस ले जाने वाला था.

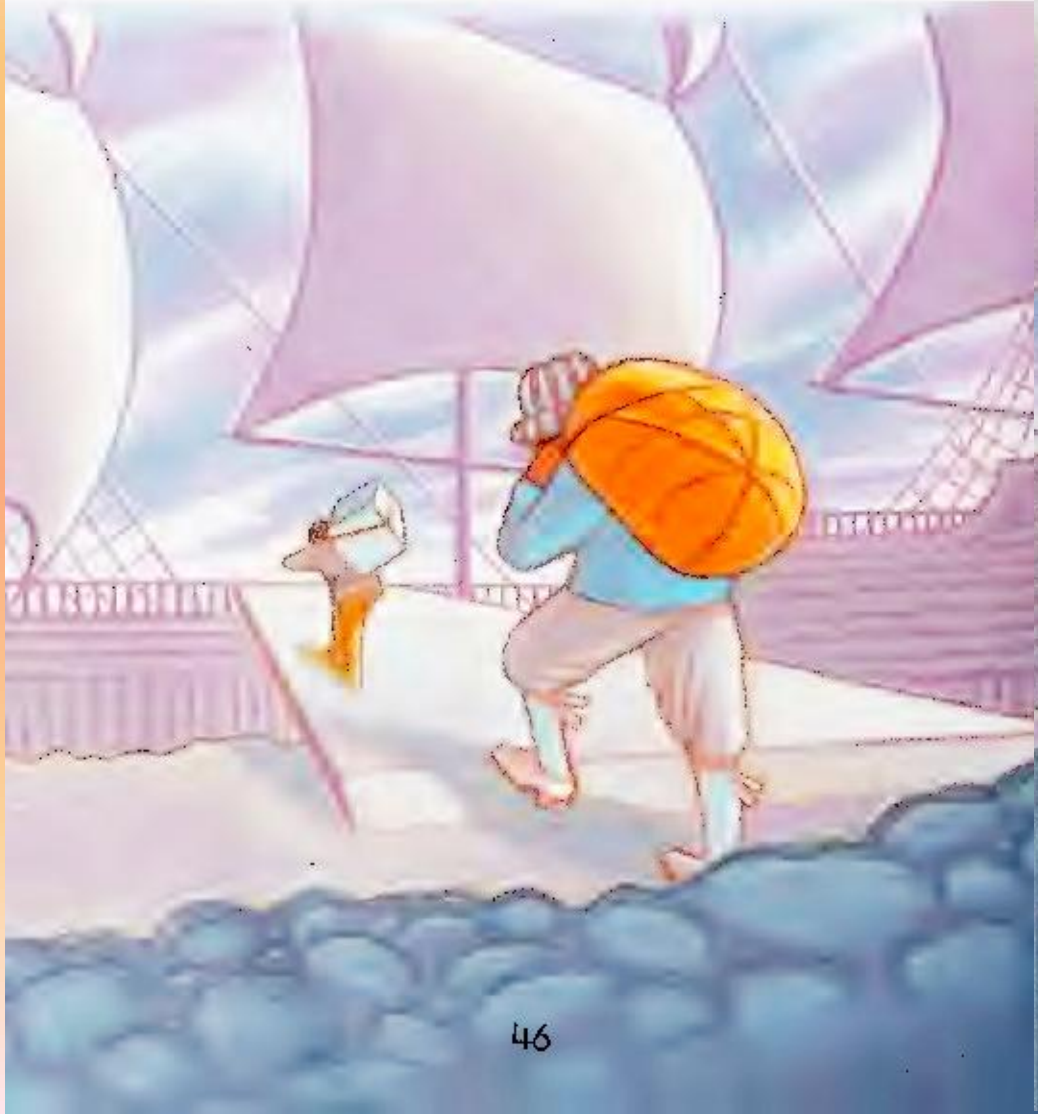

लेकिन जहाज़ के खुले समुद्र में पहुँचने से पहले ही पोकाहोंटस की मृत्यु हो गई.

पोकाहोंटस को इंग्लैंड में ही दफनाया गया. जॉन रॉल्फ अपने बेटे थॉमस को वापस वर्जीनिया ले गया. आज भी, वर्जीनिया में ऐसे परिवार हैं जो इस प्रारंभिक अमेरिकी राजकुमारी पोकाहोंटस से अपना इतिहास जोड़ते हैं.

और अब आप पोकाहोंटस की सच्ची कहानी जान गए हैं.

अंत